राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 295
नागराज और
तूफान-जू
नया धमाकेदार कॉमिक्स
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर

नागराज और तूफान-जू
लेखक:- संजय गुप्ता व तरुण कुमार वाही
संपादक:- मनीषचंद्र गुप्त चित्र:- सुलीक स्टूडिओ

विश्व आतंकवाद का दुश्मन नागराज अफ्रीका के जंगलों से थोडांगा का आतंक समाप्त कर उड़ा चला जा रहा था चीन की तरफ —
चीन का टॉप गैंगस्टर कोया-कोया हितेची जिसने चीन के बड़े-बड़े नेताओं का अपहरण करके चीन में हंगामा मचा रखा है। अब मुझे उसका खात्मा करना है।

चीन की राजधानी पेईचिंग में।
ग्रेट कोया-कोया, फान के लिए क्या आदेश है?
फान! समय आ गया है, तुम्हें तूफान बनकर लीफेंग का अप-हरण करना है।

आप समझिए काम हो गया, ग्रेट कोया-कोया!
यह काम तुम्हें कल तक पूरा कर
अब
चलते हैं।
कोया-कोया की आकृति धीरे-धीरे गायब हो गई।

फान के शरीर में बिजली भर गई।
समय कम है। मुझे लीफेंग को ढूंढना भी होगा।

और —
पावर बेल्ट पहनकर..
...वह बन गया तूफान।

TRAL EXTERNAL LIAISON DEPARTMENT (C.E.L.D.)
कमाण्डो वान ! तुम सेन्ट्रल एक्सटर्नल लिजन डिपार्टमेंट * के नम्बर वन जासूस हो। तुम्हें आज एक बेहद जरूरी आपरेशन पर नियुक्त किया जा रहा है।
* चाइना की सीक्रेट सर्विस।
कहिए सर, मुझे क्या करना है?
तुम्हें प्रधानमंत्री लीफेंग के अपहरण को रोकना है, जिसके लिए तूफान निकल चुका है।
स्फोट हुआ था वान के कानों में —
धानमंत्री लीफेंग का अपहरण! वाला तो नहीं हो गया कोया-कोया गिरोह!
कुछ भी है, अब प्रधानमंत्री की सुरक्षा तुम्हारे हाथ में है।
मेरी जान भी चली जाएगी सर तो भी वे प्रधानमंत्री जी का अपहरण नहीं कर पाएंगे। यह चीफसीक्रेट एजेंट कमांडो वान का वायदा है।
और वान अपने मिशन पर निकल पड़ा—
कला मकान डेजर्ट 320000 वर्ग कि.मी. में फैले भयानक गिस्तान में बना C.E.L.D. का अभेद्य किला —
प्रधानमंत्री जी! आप बेफिक्र रहें, वान के रहते दुनिया की कोई शक्ति आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।
किन्तु तूफान!...

किन्तु कथनी और करनी का फर्क तो मुकाबला होने पर ही पता चलना था।

...मेरी रिपोर्ट के अनुसार चीफेंग यहीं छुपा हुआ है।

किले पर तैनात गार्ड्स की नजरें तूफान पर पड़ीं।

रेट रेट

रेट रेट

मूर्ख जानते नहीं कि तूफान पर गोलियां असर नहीं करतीं।

खूंख्वार पटाखों की आवाजें वान के कानों तक भी पहुंचीं—

लगता है, तूफान यहां पहुंच गया है।

तूफान! अब मैं गया।

वान ने अपनी स्पेशल गन संभाली और—

आप मेरा इंतजार करें, मैं अभी तूफान की लाश लेकर यहां आता हूं।

वान ने संभलते ही तूफान पर फायर किया —

कमांडो वान! मेरे रास्ते से हट जाओ। तुम्हें पता ही है कि आज तक तूफान कभी खाली हाथ नहीं लौटा।

नहीं तूफान, शायद तुम्हें नहीं पता कि वान भी कभी असफल नहीं हुआ।

कहते ही वान ने अपनी स्पेशल गन झपट कर उठा ली।

और —

यह स्पेशल लेजर गन सिर्फ तेरे ही खात्मे के लिए बनाई गई है तूफान!
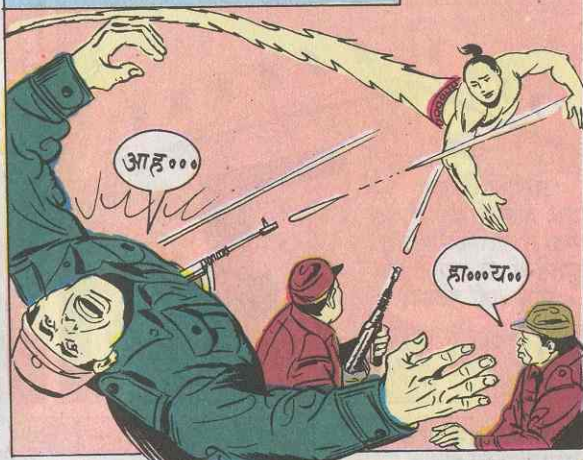
और —
हा हा हा गया काम से।
राह की सारी रुकावटों को पार करता तूफान —
आह०००
हा०००य००
पहुंच गया प्रधानमंत्री लीफेंग के सामने —
हा हा हा चलिए मिस्टर लीफेंग, आपको ग्रेट कोया कोया से मिलवा दिया जाए।
देखो! यह अपराध है। तुम सबको इसकी सजा मिलेगी।
और तूफान ने प्रधानमंत्री को उठा लिया।
तुंगातिंग झील के अन्दर बने कोया कोया हिनेची के अड्डे पर —
यह असली लीफेंग नहीं है तूफान! वान ने तुम्हें बेवकूफ बना दिया।
तूफान का लहू खौल उठा।
हमें असली लीफेंग चाहिए तूफान!
जल्द ही आपको असली लीफेंग और वान की लाश मिलेगी ग्रेट कोया कोया।
तूफान आज अत्याधिक क्रोध में था।
ग्रेट वाल आफ चाइना के अंदर कहीं CELD का एक गुप्त आफिस।
कमांडो वान! तुम्हारी सफलता पर पूरे चीन को गर्व है किन्तु००
कोई बात नहीं सर! यह सब तो होता ही रहता है।
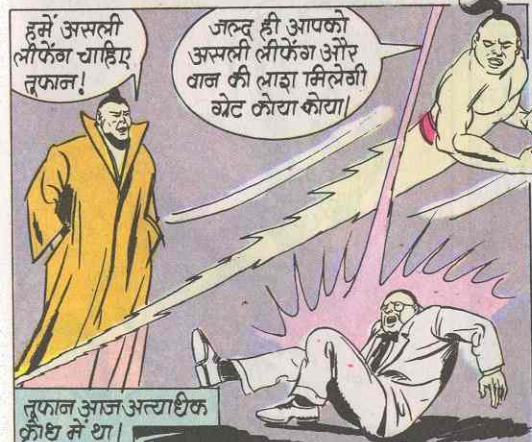
कमांडो वान बाहर आया, किन्तु यह क्या?
अभी तो केवल एक हाथ ही गया है, देश सेवा में अगर शरीर के हजार टुकड़े भी हो जायें तो वान पीछे नहीं हटेगा।
लेकिन तभी—
वान! तेरी मौत आ गई जो तूने तूफान को धोखा दिया।...
अक्लमंदी इसी में थी कि भाग निकला जाए—
... अब दुनिया की कोई ताकत तुझे तूफान से नहीं बचा सकती।
तूफान ने हमला किया—
चिर्र चिर्र
और वान को जकड़ लिया जिन्दा ना छोड़ने के लिए—
आह! उफ! आह ऽऽ
किन्तु तभी—

सर्पशक्तियों के बादशाह को सामने देख हैरान रह गया तूफान-
तुम नागराज! यहां चीन में!
हां, मैं नागराज, चीन में।
अंतर्राष्ट्रीय अपराध जगत नागराज से अच्छी तरह परिचित है।

चीन के अपराधियों में तहलका मचा कर जाऊंगा मैं।
उफ!

नागराज! तूफान उन सब से अलग है जिन्हें तुमने हराया है।

नागराज ने सर्प रस्सी छोड़ी-
मेरे नाग एक पल में तुझे बांध लेंगे और फिर तुझे जेल होगी।
तभी तूफान का शरीर तपने लगा-
हा हा हा। कैद, जेल, तूफान को। हा हा हा

तभी तूफान भयंकर तूफान की तरह आगे बढ़ा -

और —
हा हा हा नागराज! अब मेरी कैद से कैसे छूटोगे, बोलो?
उफ! इसका शरीर तो बुरी तरह तप रहा है।

तूफान के शरीर का ताप निरंतर बढ़ता जा रहा था —
उफ! अब मैं और पीड़ा सहन नहीं कर सकता।

तभी इस लड़ाई का मूकदर्शक वान चीन्वा —
नागराज! इसकी बेल्ट उखाड़ दो। उसी में इसकी सारी ताकत है।

नागराज के क्षीण होते हाथ ने तूफान की बेल्ट को दबोच लिया —

और पूरी शक्ति बटोरकर नागराज ने ...
खटाक
... बेल्ट को उखाड़ दिया —

और अब तूफान पड़ा था धरती पर...
क्योंकि पावरबेल्ट के बिना...
... वह था केवल फान।

फान की रूह फना हो गई नागराज का घूंसा चख के —
आह!

क्रोध चरम सीमा पर था नागराज का –

कोया-कोया हितैषी को नागराज की भेंट
यह आतंकवादी है।
कोया-कोया को तूफान की हत्या की खबर करनी होगी।
क्रोधित भीड़ ने पत्थर मार-मारकर तूफान को मार डाला।

चीन पर बरसों से हुकूमत कर रहे कोया-कोया हितैची को पहली बार किसी ने इतना नाराज देखा था –
नागराज! तूफान का हत्यारा।

जू को मैदान में लाना होगा।

शंघाई में एक गुप्त ठिकाने पर –
नागराज! तूफान और जू कोयाकोया के दो हाथ हैं। कोया कोया तो केवल आर्डर देता है। कार्यान्वित यह दोनों करते हैं।

और तुमने प्रधानमंत्री लीफेंग को कहां छुपा रखा है?

शाओलिन जेल में जिसके अंदर पांच सौ कैदियों की जगह अब पांचसौ चुने हुए सैनिक कैदियों के वेश में उनकी सुरक्षा पर तैनात हैं।...

...और नागराज! कोयाकोया को जब तूफान की मौत की खबर मिलेगी वह जू को हमारी खोज में लगाएगा।...

...जू चीन की सबसे ताकतवर तोप है। उसकी मारक शक्ति असीमित है।...
और वान नागराज को जू के बारे में सब बताता चला गया।

...मुझे डर है कि कहीं वह तुम्हें कोई नुकसान ना पहुंचा दे।
वान! नागराज की फिक्र ना करो। मेरा पल-पल इन्हीं लोगों के बीच गुजरता है।

और जू, उसे भी मैदान में आने दो। नागराज कम नहीं पड़ेगा उससे।

उधर एक बिल्डिंग में चाइना का एक और बड़ा गेंगस्टर सोयासोया
बॉस! कोयाकोया के चरस के भरे चार ट्रक हमारे गोदामों में आ चुके हैं

लूट लो कोया कोया को। उसका हर माल हमारे गोदामों में होना चाहिए।

उसके पूरे गिरोह का सफाया करना है हमें। चीन में उसकी जगह हमारा राज्य होना चाहिए।

साथियों के भी इरादे बुलंद थे—
ऐसा ही होगा ग्रेट सोयासोया, लेकिन...

लेकिन क्या?
जू!

ठहाका लगाया सोयासोया ने —
जू! हा हा हा जहां तूफान पहुंच गया नागराज के हाथों वहीं जू भी पहुंच जाएगी। हा हा हा
हा हा हा हा
लेकिन —
तब सबकी आंखों में भय की परछाइयां दौड़ गईं —
जू!
तड़ाक
सोयासोया! तूने अपने भाई ग्रेट सर कोया-कोया को बहुत नुकसान पहुंचा लिया।...
... अब तक तो वह तेरी चोरियां भाई समझकर माफ करते रहे, लेकिन अब पानी सिर से ऊपर उठ चुका है। अब...

...ग्रेट सर ने तेरे लिए और तेरे गिरोह के लिए चुनी है सजाए मौत।

सोया सोया ने भी देरी नहीं की—
टूट पड़ो इस पर। आज यह यहां से बचकर ना जाने पाए।

तांत्रिक शक्तियों की स्वामिनी जू अकेली ही उन सभी दरिंदों से टकरा गई—
जंगल के राजा शेर मुझे अपनी शक्ति दो।

शेर की शक्ति प्राप्त कर वह बिल्कुल शेर की ही भांति लड़ रही थी—
धड़ाक

बाहर—
मैडम जू ने कहा था यह ट्रक यहीं खड़ा रखना है। अभी यह लाशों से भरा जाएगा।

लो पहली लाश तो वह आ रही।

और जू वाकई अपना वायदा पूरा करने में लगी हुई थी—

अभी भी ट्रक में एक लाश की जगह बाकी है
वह भी आती होगी।
यह ठीक भी था, क्योंकि अब बचा भी केवल सोया सोया ही था--
तू तूने मेरे सारे गिरोह का खात्मा कर दिया। मैं तुझे नहीं छोड़ूंगा।
उफ
उफ! यह इतना फुर्तीला होगा मैंने कभी नहीं सोचा था।
वानरराज! मुझे अपनी फुर्ती दो।
तू नहीं बचेगी तू।
और--
रातों के राजा चमगादड़, मुझे अपनी शक्ति दो।
खड़ाक
आह!
अब मैं चमगादड़ की तरह तेरा सारा लहू चूस जाऊंगी कीड़े!

तत्पश्चात् —
गजराज! मुझे अपनी शक्ति दो।

और आखिर ट्रक भर ही गया —
बाज राजा, मुझे उड़ने की शक्ति दो।
मैडम जू का काम पूरा हुआ।

जंगल में जू की डेन में —
ग्रेट कोया कोया आज बहुत खुश होंगे जू का भेजा हुआ लाशों का ट्रक मिल गया होगा।
जू! आज खुशी का दिन हरगिज नहीं है।

क्या बात है आज ग्रेट कोयाकोया परेशान नजर आ रहे हैं।
हां जू, क्योंकि आज हमारा एक बाजू कट गया। तूफान मारा गया।

तूफान मारा गया। कब, कैसे? किसने मारा उसे?

विश्व आतंकवाद के दुश्मन नागराज ने।

नागराज! यहां चीन में। मैं उसे निगल जाऊंगी ग्रेट कोया कोया। बदला।

बदला! नागराज मैं आ रही हूं। तेरी मौत जू।

जू तुम्हें नागराज को ढूंढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। तुम शाऊलिन जेल से प्रधानमंत्री लीफेंग का अपहरण कर लो। बस वह स्वयं तुम तक पहुंच जाएगा। लीफेंग को पकड़ना अति-आवश्यक है।

और जू निकल पड़ी लीफेंग का अपहरण करने के लिए।

नागराज! विश्व का सबसे ताकतवर मानव।

जू बेखौफ गोलियों की बरसात में नीचे उतरने लगी –
बुलैटप्रूफ चमड़ी वाले गैंडे! मुझे अपनी शक्ति दो।
जहरीले कांटों वाली साही, मुझे अपनी शक्ति दो।
आह!
उफ
हाए!
अपने रास्ते की हर रुकावट को साफ करती अकेली जू पांच सौ सैनिकों के बीच तहलका मचाती बढ़ी चली जा रही थी –
वानरराज! मुझे अपनी फुर्ती दो!
गजराज! मुझे अपनी शक्ति दो।
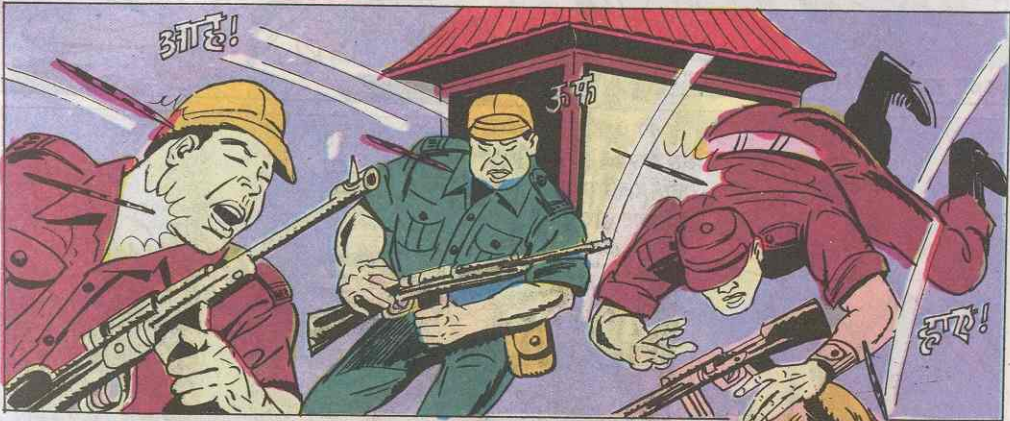
किन्तु उसकी अगली किक किसी को हिला भी ना पाई क्योंकि —
आओ जू! स्वागत है।
नागराज तुम यहां ?
जू को आश्चर्य का भयानक झटका लगा।
और लगा नागराज का दांव —
अब जरा बताना, कैसा लगता है चोट खाकर।
धड़ाक
जू को पहली बार किसी ने धूल चटाई है नागराज, स्वाद अच्छा लगा।
फुर्तीले चीते, मुझे अपनी तेजी दो।
चीते की तेजी और —
जंगली भैंसे, मुझे अपने सिर की मजबूती दो।
आह!
भैंसे की ताकत ने नागराज को भी मजा चखा दिया।

किन्तु नागराज के लिए यह बड़ी बात नहीं थी -
जू! नागराज को भी बराबर की टक्कर में मजा आता है।

दोनों ही एक-दूसरे की शक्ति आंक रहे थे -

ओह! यह मुझे सम्मोहित करना चाहता है।
बिल्ली रानी! मुझे अपनी नेत्र शक्ति दो।
नागराज का जादू टूटा।

गजराज! मुझे अपनी शक्ति दो।
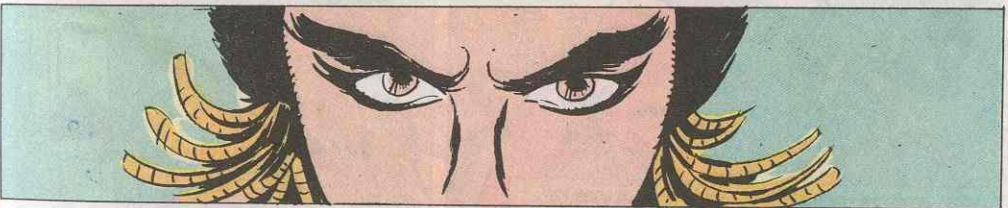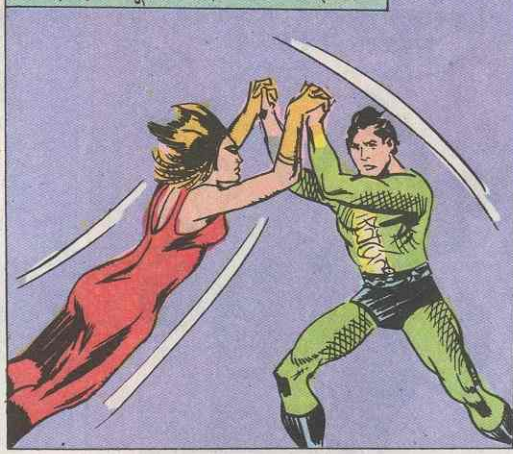
यह तांत्रिक शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है। मैं अभी इसे सर्पशक्ति से बांधता हूं।

और जू को नागराज की अविजित सर्प सेना ने बांध लिया –

मजा आ गया। जू का किसी ने पहली बार मुकाबला किया है।

और नागराज उस भारी पिलर के नीचे दब गया –
मुझे जल्दी से लीफेंग को ढूंढ़ना है।
उफ!
कुछ ही क्षणों में –
गतिवान हिरण मुझे अपनी गति दे।
और वह प्रधानमंत्री लीफेंग को लेकर उड़ गई –
शक्तिमान गरूड़! अपनी शक्ति दो।
जू के ओझल होने के बाद –
दोस्त गई वह, लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आया कि तुमने उसे जाने क्यों दिया ?
ओह वान! पहले यह पिलर उठवाओ, फिर बताता हूं।
अभी लो!
उफ! वाकई बेहद शक्तिशाली है जू!
लेकिन अब हम प्रधानमंत्रीजी को कैसे वापस ला पाएंगे ?
नागराज मुस्कराया।
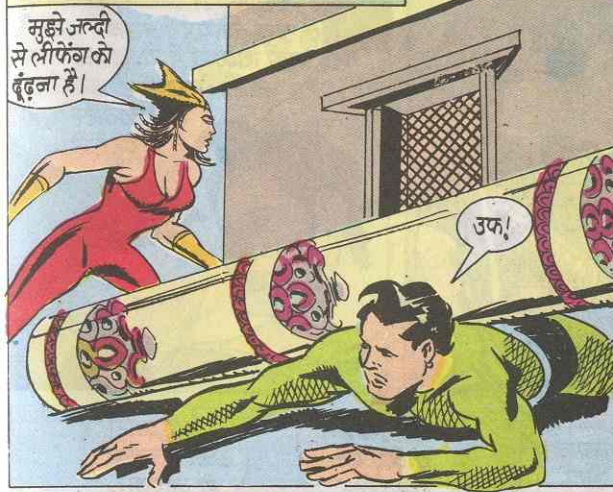
वान! मैंने नागानंद और नागनाथ को प्रधानमंत्री की जेबों के अंदर भेज दिया था। वे दोनों हर मुसीबत से उनकी रक्षा करेंगे और...

...उनसे मानसिक सम्पर्क बनाकर मैं कोयाकोया हितेची के अड्डे तक पहुंच जाऊंगा। क्योंकि मुझे विश्वास है कि जू प्रधानमंत्री-जी को लेकर सीधे कोयाकोया के हेडक्वार्टर पर ही पहुंचेगी।...
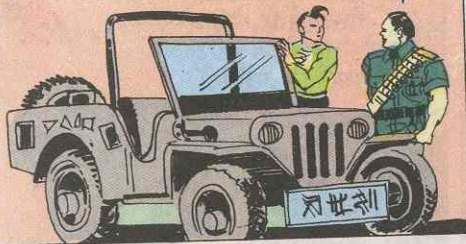
कोया कोया हितेची के हैडक्वार्टर में —
सर! आपके लिए चीफ की काल है अमेरिका से।
ओह! बात कराओ।
कोया कोया पर परेशानियों के बादल छाये हुए थे।
सर! कोया कोया हितेची आन द लाइन। कहिए क्या हुक्म है?
कोया कोया! तुम सी.आई.ए. के सबसे अच्छे एजेंट हो।
और तुम्हें पता होना चाहिए कि सी.आई.ए. का काम दिए हुए वक्त में पूरा होना जरूरी होता है।
सर! काम समय पर ही होता। किन्तु...
...काम के बीच में नागराज आ गया।
नागराज चीन में!
यस सर! और लीफेंग भी अब हमारे कब्जे में आ चुका है।
ठीक है। तो उसको मजबूर करो कि वह हमारा एटामिक पावर स्टेशन चीन में बनाने के लिए राजी हो जाए।
बातें समाप्त हुईं —
उफ! अगर आज लीफेंग हमारे कब्जे में ना आता तो मेरी मौत निश्चित थी।

इधर नागराज को दिखा था एक बैलून -
K.R.H. STEEL INDUSTRIES
वान! वे जरूर इस बैलून के अंदर हैं। इसी में है कोयाकोया का हैडक्वार्टर।
इस बैलून में! यह तो एक बहुत बड़ी कम्पनी के विज्ञापन का बैलून है नागराज! तुम्हें जरूर गलतफहमी हुई है।
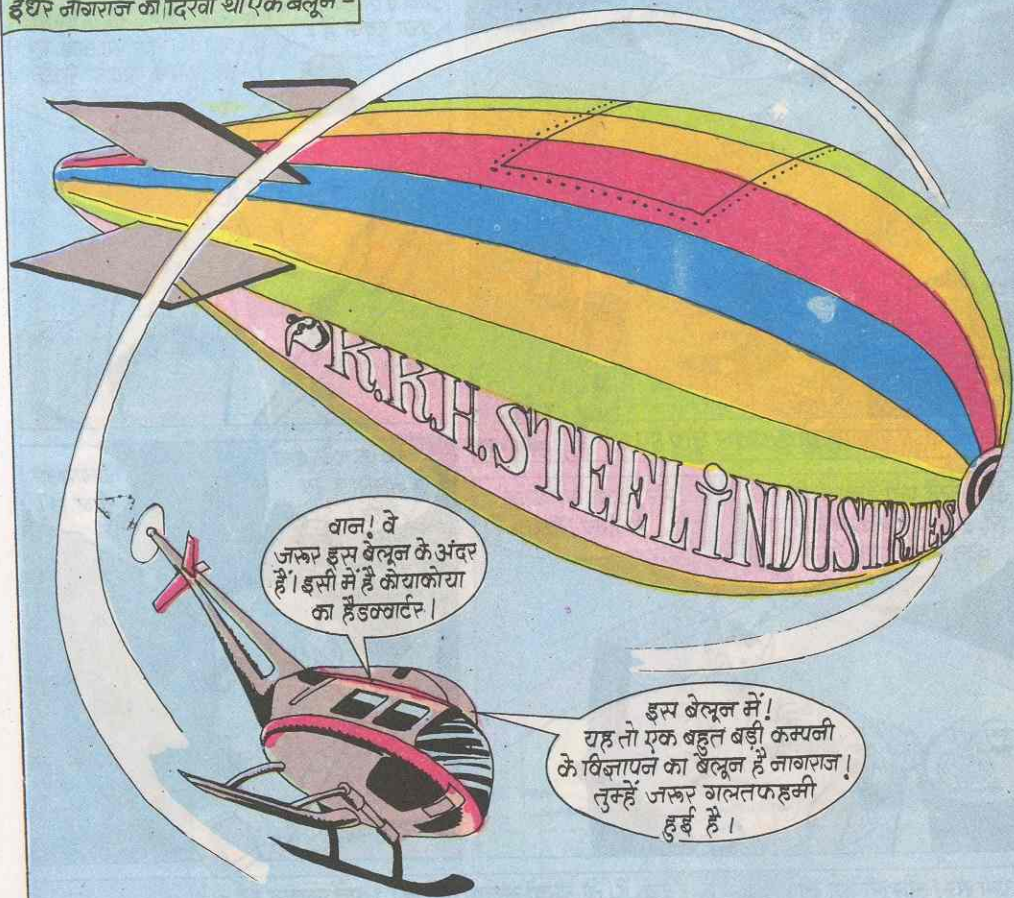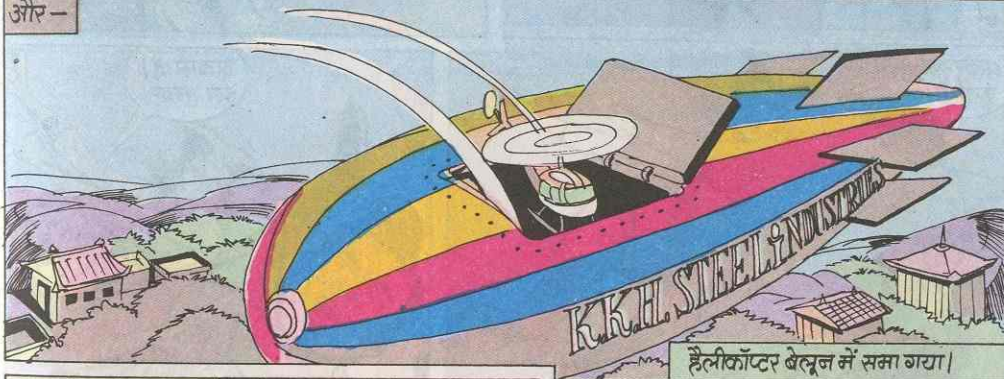
इसमें जरूर कुछ भेद है।
तभी –
अरे, वह देखो वान, वह दरवाजा खुल रहा है।
और –
K.K.H. STEEL INDUSTRIES
हैलीकॉप्टर बेलून में समा गया।
कोयाकोया के सामने –
WELCOME NAGRAJ WEL COME IN KOYA KOYA'S EMPIRE
नागराज यहां पहुंच ही गया।
तो यह है दुष्ट कोया कोया!
तभी नागानंद व नागनाथ लीफेंग की जेब से निकलकर नागराज की कलाइयों में समा गए।

किन्तु नागराज तुरन्त ही संभल गया —

फिर तो कोयाकोया को सभी नम्बर नागराज को ही देने पड़े –
उफ!
जू! कुछ करो तुम हार रही हो। भूल गई तुम्हें तूफान की मौत का बदला लेना है।
जू खड़ी हुई –
जंगल के समस्त प्राणी मुझे स्फूर्ति प्रदान करें।
मुझे ताकत प्रदान करें।
यह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई है। अपनी स्वामिनी को शक्ति दो।

नई शक्ति के साथ जू नागराज की तरफ दौड़ी –
हाए!
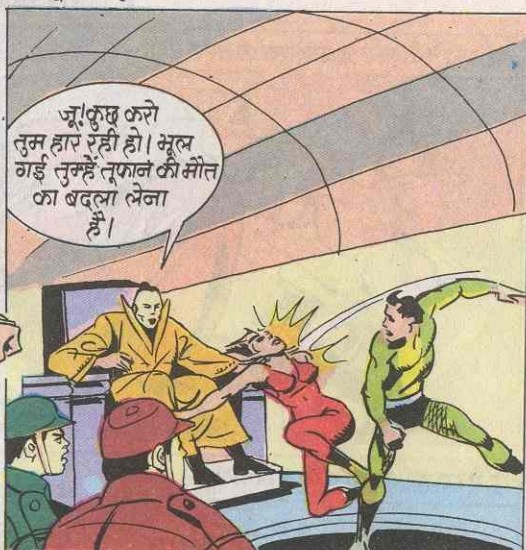
जू से टक्कर नागराज को भी महंगी पड़ रही थी –
उफ! यह क्या हुआ। एकदम इसमें इतनी शक्ति कहां से आ गई।
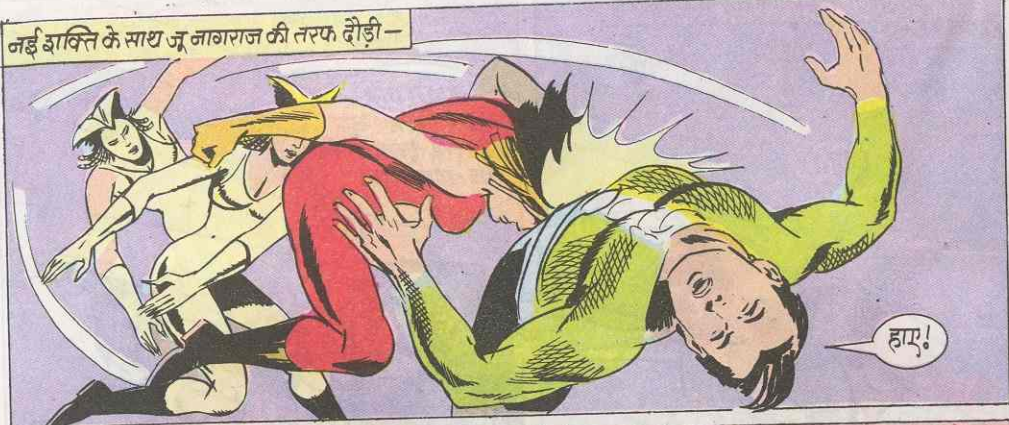
साक्षात मौत बनी वह नागराज की तरफ फिर दौड़ी आ रही थी –
यह टक्कर इसे सीधे यम-लोक पहुंचा देगी।

और नागराज सही वक्त पर एक तरफ को उछल गया –
धड़ाक
टक्कर वाकई जबरदस्त थी।

लेकिन खुद जू भी वह टक्कर ना सह पाई –
मुझे लगता है कि तुम मुझसे और नहीं लड़ सकोगी।
किन्तु यहीं नागराज ने गलती की शायद ०००

००० उंगली पकड़कर पौंचा पकड़ा था जू ने –
नागराज! मुझे अपनी शक्ति दो।
हांए!
जड़ रह गया नागराज –

मुझे अपनी शक्ति दो नागराज!

यह क्या कर रही है?

जू को तुम्हारी सभी शक्तियां चाहिए।

उफ! मैं नर्वस क्यों हो रहा हूं। मुझे कुछ हो रहा है।

GIVE UP
NO!
यह नागराज को क्या हो रहा है। अगर ००० अगर जू ने वाकई नागराज की शक्तियां ले लीं तो। नहीं ०००
??
नागराज की आत्मशक्ति जवाब देने ही वाली थी कि०००
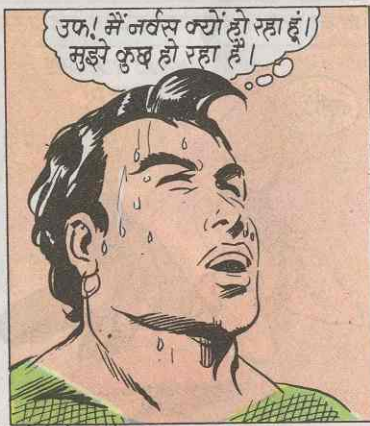
वान तेजी से दौड़ा —
नागराज! होश में आओ नागराज! तुम सर्वशक्ति-मान हो।

तभी कोयाकोया का हाथ हरकत में आया —
धांय धांय धांय
गोलियों से छलनी हो गया जांबाज CELD एजेंट।

किन्तु फिर भी कारनामा अंजाम दे दिया उसने —
NAGRAJ YOU ARE NEEDED!
नहींऽऽऽ
वान!

नागराज! मुझे खुशी है कि मैं तुम्हारी बांहों में दम तोड़ रहा हूं। I LOVE CHINA
वान! तेरे हत्यारों को बहुत बुरी मौत मारूंगा मैं सच।

अब नागराज को कौन रोक सकता था —
हत्यारिन चुड़ैल।
जू की मौत अब निश्चित थी —

नागराज के मुंह से भयंकर विष फुंफकार निकली —
जू का भी हश्र वही हुआ जो अब तक औरों का होता आया है। मौत

नागराज! अब खेल खत्म हुआ! तुम जहां हो वहीं रुक जाओ! और जैसे-जैसे मैं कहूं वैसे करते जाओ, वरना मैं ओफेंग को शूट कर दूंगा!
नहीं, ऐसा मत करना! बोलो मुझे क्या करना है?

मुझे पता है नागराज! अब मुझे यहां से भागना पड़ेगा, इसलिए फिलहाल तो तुमसे छुटकारा पाना जरूरी हो गया है।
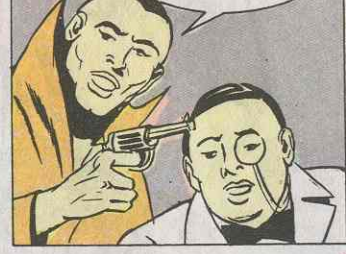
एक जगह पहुंचकर वह ठिठक गया!
रुको नागराज!
OPEN THE EMERGENCY DOOR!

बेलून के फर्श में एक दरवाजा बन गया—

JUMP NAGRAJ! कूदो-कूद जाओ!

नागराज कूदा, किन्तु अकेला नहीं दोनों के साथ!
नागराज अकेला नहीं कूदेगा, तुम्हें भी साथ लेकर जाएगा!

आ SSSS
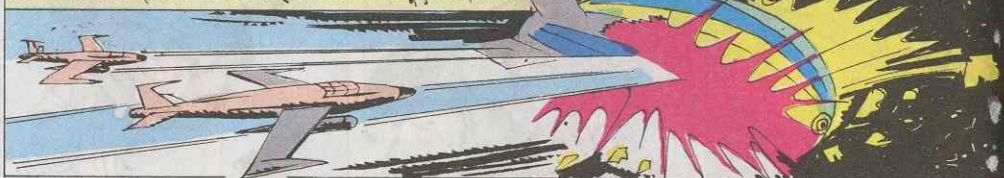
और फिर नागराज ने चीन से भी विदा ली –

समाप्त

प्रिय मित्रो! 'काबूकी का खजाना' के लिए आपके बहुत से पत्र प्राप्त हुए। धन्यवाद, मैं आपके सुझावों की तरफ ध्यान दे रहा हूं। 'लाल मौत' में YBAK वाकई मारा गया था, अपनी यह भूल मुझे कुबूल है। नागराज की अगली चित्रकथा का नाम है – 'नागराज और नगीना का जाल', आपके पत्रों के इन्तजार में, आपका प्रिय मित्र :- संजय गुप्ता
1603, दरीबा कलां, दिल्ली – 110006